भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली

संस्थान का तेरहवाँ दीक्षान्त समारोह प्रेस विज्ञप्ति 19 जून 2024

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली का तेरहवाँ दीक्षांत समारोह बुधवार, 19 जून 2024 को आयोजित हुआ। इस समारोह में भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान तथा मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान जैसे विविध क्षेत्रों में कुल 168 बीएस-एमएस, 4 एमएस, 9 बीएस और 110 पीएचडी डिग्री प्रदान की गईं। 110 पीएचडी स्नातकों में से पांच ने संस्थान के एकीकृत पीएचडी कार्यक्रम में दाखिला लिया और पीएचडी के साथ एमएस की डिग्री प्राप्त की। इस दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की कुल संख्या 291 है।

इस समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर आशुतोष शर्मा थे। प्रोफ़ेसर शर्मा वर्तमान में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष हैं और नैनो प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जाने-माने वैज्ञानिक हैं। वे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में भारत सरकार के पूर्व सचिव रह चुके हैं। प्रोफेसर शर्मा आई.आई.टी. कानपुर में इंस्टीट्यूट चेयर प्रोफ़ेसर भी हैं। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष डॉ. जे. एस. यादव ने की, जो भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद के पूर्व निदेशक हैं।

भौतिकी में स्नातक श्री जेम्स वाट को बीएस-एमएस विद्यार्थियों में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक मिला। भौतिकी में स्नातक तथा खगोल भौतिकी में माइनर डिग्री प्राप्त करने वाली सुश्री प्राजक्ता तानाजी माने को सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए प्रोफेसर एस.एन. कौल पदक से सम्मानित किया गया। माइनर डिग्री आई.आई.एस.ई.आर. मोहाली के पाठ्यक्रम का एक नवीन अंग है, जिसमें पाठ्यक्रमों की निश्चित सूची में से समुचित वैकल्पिक विषय लेने वाले छात्रों को डेटा विज्ञान, विज्ञान शिक्षा, विज्ञान और सामाजिक अध्ययन, विकास और सार्वजनिक नीति अध्ययन, खगोल विज्ञान, पृथ्वी विज्ञान, वायुमंडलीय विज्ञान, भारतीय इतिहास और रसायन विज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे क्षेत्रों में माइनर डिग्री प्राप्त करने की अनुमति दी जाती है। इस वर्ष 26 विद्यार्थियों ने डेटा विज्ञान में माइनर डिग्री प्राप्त की तथा 14 विद्यार्थियों ने विज्ञान शिक्षा में माइनर डिग्री प्राप्त की।

जीव विज्ञान में सुश्री आकांक्षा सिंह, रसायन विज्ञान में श्री ऋषभ पांडा, गणित में सुश्री रूपकथा चंद और भौतिकी में श्री जेम्स वाट को अपने-अपने विषयों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार मिले।

आई.आई.एस.ई.आर. मोहाली की शैक्षणिक विविधता ऐसी है कि इसमें मुख्य विज्ञान विषयों के अलावा, छात्र मानविकी, दृश्य कला, विज्ञान शिक्षा और डेटा विज्ञान जैसे विभिन्न क्षेत्रों का अध्ययन करते हैं। आई.आई.एस.ई.आर. के सृजन की मूल अवधारणा में अंतःविषयी अनुसंधान निहित है। ये संस्थान वर्तमान में देश के सात स्थानों कार्यरत हैं। आई.आई.एस.ई.आर. मोहाली ने 2007 में चंडीगढ़ के सेक्टर-26 से काम करना शुरू किया और अब यह एयरपोर्ट रोड पर सेक्टर-81 में स्थित है। यह मोहाली के नॉलेज सिटी में स्थापित यह पहला संस्थान है।

निदेशक की रिपोर्ट में संस्थान के निदेशक प्रोफेसर अनिल कुमार त्रिपाठी ने सभी आगन्तुकों का स्वागत किया और पिछले एक साल में संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, “आज न केवल स्नातक करने वाले छात्रों के लिए, बल्कि माता-पिता, अभिभावकों और प्रियजनों के साथ-साथ उन शिक्षकों के लिए भी खुशी और गर्व का दिन है, जिन्होंने छात्रों को आई.आई.एस.ई.आर. मोहाली के ध्वजवाहक बनने की दिशा में अपना ज्ञान, अनुभव और स्नेह साझा किया।”

मुख्य अतिथि प्रोफेसर आशुतोष शर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए अनुप्रयुक्त शोध और उद्यमिता की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा, “आई.आई.एस.ई.आर. बुनियादी विज्ञान के माध्यम से तकनीकी विकास के आदर्श उदाहरण हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, जल विघटन द्वारा हरित हाइड्रोजन उत्पादन, वैज्ञानिक अनुसंधान में AI का उपयोग, आदि। बुनियादी शोध में उच्चतम गुणवत्ता, गहनता और नेतृत्व क्षमता विकसित करने और अनुप्रयुक्त अनुसंधान में हमें बाहरी दुनियाँ से जुड़ने की आवश्यकता है।” आई.आई.एस.ई.आर. मोहाली, जो वर्तमान में NIRF रैंकिंग की समग्र श्रेणी में 51वें स्थान पर है, संसद के एक अधिनियम के माध्यम से स्थापित एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है, जिसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण विज्ञान शिक्षा

प्रदान करना और नवीन शिक्षण और अनुसंधान पद्धतियों के माध्यम से अनुसंधान की भावना को विकसित करना है। पिछले 17 वर्षों में यह देश भर के अकादमिक रूप से प्रतिभाशाली छात्रों के लिए एक पसंदीदा संस्थान के रूप में उभरा है। यह एकीकृत मास्टर्स, एकीकृत पीएचडी और डॉक्टरेट कार्यक्रमों के लिए विद्यार्थियों को प्रवेश देता है। आई.आई.एस.ई.आर. मोहाली के स्नातकों को दुनिया भर के कुछ शीर्ष शोध संस्थानों जैसे कि ऑक्सफोर्ड, एमआईटी, कॉर्नेल, स्टैनफोर्ड, कैलटेक, टीआईएफआर, एनसीबीएस, जेएनसीएएसआर और आईआईएससी में नियुक्त किया गया है। छात्रों को फुलब्राइट-नेहरू फेलोशिप, लीकी फाउंडेशन ग्रांट, मैक्स-प्लैंक फेलोशिप और अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फेलोशिप जैसी प्रतिष्ठित फेलोशिप और अनुदान प्राप्त हुए हैं।